ई ई एस एल
एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज़ लिमिटेड
विद्युत मंत्रालय के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की संयुक्त उद्यम कंपनी

INNOVATING ENERGY

नवोन्मेषी ऊर्जा

ऊर्जा-कुशल विकल्पों के साथ पर्यावरण अनुकूल जीवन

नवंबर 2024

स्विच करो, सेव करो

विषय सूची

संपादक के विचार
श्री नितिन भट्ट, उप महाप्रबंधक, जनसंपर्क एवं विक्रय, ईईएसएल

सीईओ के डेस्क से
जीवन जीने का एक बेहतर तरीका: रोज़मर्रा के उपकरणों से ऊर्जा दक्षता के स्थायी लाभ: श्री विशाल कपूर, सीईओ, ईईएसएल

ऊर्जा-कुशल विकल्पों के साथ पर्यावरण अनुकूल जीवन
श्री शेखर सिंघल, प्रबंध निदेशक, ईस्टमैन ऑटो एंड पावर लिमिटेड (ईएपीएल)

बीएलडीसी पंखों के साथ शीतलन में क्रांतिकारी बदलाव: ग्रामीण ऊर्जा चुनौती के लिए एक स्थायी समाधान
श्री मनीष चंद्र मिश्रा, सहायक संपादक, मोंगाबे इंडिया

ईईएसएलमार्ट के ऊर्जा-कुशल उपकरण: एक सतत भविष्य के लिए स्मार्ट विकल्प

हरित घर के लिए उज्ज्वल विकल्प: एलईडी लाइटिंग, इन्वर्टर बल्ब और ट्यूब लाइट
श्री अमित कुमार शर्मा, मुख्य महाप्रबंधक, सूर्या रोशनी लिमिटेड

ऊर्जा दक्षता में संचार का महत्व
श्री अनिमेष मिश्रा, मुख्य महाप्रबंधक एवं प्रमुख (विक्रय एवं जनसंपर्क), ईईएसएल

भारत को सतत रूप से रोशन करना : ईईएसएल का ऊर्जा कुशल एलईडी स्ट्रीट लाइटिंग अभियान
श्री राज कुमार रखरा, मुख्य महाप्रबंधक एवं प्रमुख (संचालन - प्रकाश/वाणिज्यिक), ईईएसएल

ईईएसएल का आइकॉन टावर में स्थानांतरण: प्रगति, नवाचार और स्थिरता की दिशा में एक दूरदर्शी छलांग
श्री चंद्रशेखर कुमार, सीईओ ईईएसएल के कार्यकारी सलाहकार

ईईएसएल के प्रमुख कार्यक्रम

त्रिपुरा एनईसीपी लागू करने वाला पहला राज्य बना, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को 2000 इंडक्शन कुकटॉप्स वितरित किए

ऊर्जा क्षेत्र की उल्लेखनीय गतिविधि

हमारी टीम

डिजाइन: श्री अनिमेष मिश्रा, मुख्य महाप्रबंधक एवं प्रमुख (विक्रय एवं जनसंपर्क), ईईएसएल

श्री अक्षय अरोडा, खाता प्रबंधक, एडेलमेन इंडिया

संपादक: श्री नितिन भट्ट,उप महाप्रबंधक, विक्रय एवं जनसंपर्क, ईईएसएल

उप-संपादक: सुश्री अंजलि यादव, अधिकारी, जनसंपर्क, ईईएसएल

संपादक के विचार

श्री नितिन भट्ट,
उप महाप्रबंधक, विक्रय एवं जनसंपर्क, ईईएसएल

प्रिय पाठकों,

सतत जीवन सिर्फ एक विचार नहीं है, बल्कि यह जीवन जीने का तरीक है जो हमें ऊर्जा के उपयोग और पर्यावरण के साथ हमारे व्यवहार के बारे में पुनर्विचार करने के बारे में बताता है। ऊर्जा-कुशल एलईडी प्रकाश व्यवस्था की ओर स्थानांतरित होकर, उन्नत उपकरणों में निवेश करके और सौर ऊर्जा जैसे नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को एकीकृत करके, हम सामूहिक रूप से एक स्वस्थ धरती के लिए मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं। लाखों लोगों द्वारा उठाए गए छोटे-छोटे कदम, हमारे कार्बन फुटप्रिंट को महत्वपूर्ण रूप से कम करने और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सतत भविष्य को बढ़ावा देने की शक्ति रखते हैं।

हमारे न्यूज़लेटर के इस संस्करण में, 'ऊर्जा-कुशल विकल्पों के साथ पर्यावरण अनुकूल जीवन' थीम के साथ, हम इस बात पर गौर करेंगे कि कैसे ऊर्जा दक्षता जीवन को बदल सकती है और भारत को एक स्वच्छ, हरित भविष्य की ओर ले जाने में सहायता कर सकती है।.

हमारे सीईओ डेस्क से: 'जीवन जीने का एक बेहतर तरीका: रोज़मर्रा के उपकरणों में ऊर्जा दक्षता के स्थायी लाभ' यह लेख बताता है कि कैसे पारंपरिक उपकरणों को ऊर्जा-कुशल विकल्पों से बदलने से घरेलू ऊर्जा खपत को कम किया जा सकता है। लाखों घरों में ऐसे सामूहिक प्रयास राष्ट्रीय बिजली मांग और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को महत्वपूर्ण रूप से कम कर सकते हैं।

'बीएलडीसी पंखों के साथ शीतलन में क्रांतिकारी बदलाव: ग्रामीण ऊर्जा चुनौतियों के लिए एक स्थायी समाधान' में, हम ग्रामीण ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने में ऊर्जा-कुशल बीएलडीसी पंखों की भूमिका को रेखांकित कर रहे हैं, जो दीर्घकालिक ऊर्जा संरक्षण के साथ व्यावहारिकता को जोड़ते हैं। "ऊर्जा-कुशल विकल्पों के साथ सतत जीवन को अपनाना" इस बात पर प्रकाश डालता है कि सौर ऊर्जा और ऊर्जा-कुशल समाधानों को अपनाने से भारत को अपनी अक्षय ऊर्जा महत्वाकांक्षाओं को प्राप्त करने में कैसे मदद मिल सकती है, साथ ही पर्यावरण अनुकूल प्रयासों की ओर मानसिकता में बदलाव को बढ़ावा मिल सकता है।

'भारत को सतत रूप से रोशन करना : ईईएसएल का ऊर्जा कुशल एलईडी स्ट्रीट लाइटिंग अभियान' दर्शाता है कि कैसे स्ट्रीट लाइटिंग राष्ट्रीय कार्यक्रम' जीवन की गुणवत्ता को बढ़ा रहा है, सुरक्षा में सुधार कर रहा है और स्मार्ट स्ट्रीट लाइटिंग समाधानों के माध्यम से भारत के स्थिरता लक्ष्यों को आगे बढ़ा रहा है। इसके अतिरिक्त, 'हरित घर के लिए उज्ज्वल विकल्प' एलईडी, इन्वर्टर बल्ब और उन्नत ट्यूब लाइट जैसे पर्यावरण के अनुकूल प्रकाश विकल्प पेश करता है, जिससे जीवन अधिक सुलभ और किफ़ायती हो जाता है। अंत में, "ऊर्जा दक्षता में संचार का महत्व" ऊर्जा-कुशल भविष्य के लिए व्यक्तिगत और सामूहिक कार्रवाई को बढ़ावा देने में जागरूकता और संचार की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है।

एक सतत भविष्य की ओर जाने का रास्ता विकल्पों और एकजुट प्रयासों से शुरू होता है। जैसे-जैसे हम अपने घरों, व्यवसायों और समुदायों में ऊर्जा-कुशल आदतों को अपनाते हैं, हम ऐसे प्रभाव पैदा करते हैं जो व्यक्तिगत प्रभाव से परे फैलते हैं। आज समझदारी भरे, हरित विकल्प चुनकर, हम सामूहिक रूप से एक उज्जवल, कल का निर्माण कर सकते हैं—जो सभी के लिए आर्थिक विकास, पर्यावरण संरक्षण और जीवन की बेहतर गुणवत्ता का वादा करता है। आइए इन कदमों को एक साथ उठाएं और एक सही मायने में सतत दुनिया की दिशा में आगे बढ़ें।

जीवन जीने का एक बेहतर तरीका: रोजमर्रा के उपकरणों में ऊर्जा दक्षता के स्थायी लाभ

जैसे-जैसे हमारी दुनिया स्मार्ट तकनीकों के युग में आगे बढ़ रही है, स्मार्ट उपकरणों द्वारा संचालित स्मार्ट जीवन शैली के बारे में अधिक से अधिक बातें हो रही है। मेरा मानना है कि रोजमर्रा की जिंदगी में स्मार्ट चुनाव करने जोर दिया जाना चाहिए। संसाधन क्षरण, पारिस्थितिकी तंत्र का क्षरण और वैश्विक तापमान वृद्धि हर गुजरते दिन के साथ अधिक चिंताजनक मुद्दे बन रहे हैं, और हम केवल अपने दैनिक जीवन में ऊर्जा दक्षता को अपनाकर उनके प्रभावों को कम करने में वास्तविक और महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

ऊर्जा दक्षता के महत्व पर जितना ज़ोर दिया जाए, उतना कम है। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी की 2023 की एक रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि वैश्विक तापमान वृद्धि को स्वीकार्य स्तर तक सीमित रखते हुए ऊर्जा सुरक्षा में सुधार के लिए दुनिया को 2030 तक दक्षता के क्षेत्र में प्रगति को दोगुना करने की आवश्यकता है।

हममें से अधिकांश लोग अपने जीवन का एक बड़ा हिस्सा घर के अंदर बिताते हैं। हम उस दौरान विभिन्न घरेलू कार्यों जैसे प्रकाश व्यवस्था, शीतलन, ताप और खाना पकाने के लिए कई उपकरणों का उपयोग करते हैं। इन उपकरणों को उनके संबंधित ऊर्जा-कुशल रूपों से बदलना एक स्मार्ट, जिम्मेदार जीवन शैली की दिशा में पहला कदम है। इस तरह, हम अपने घर की बिजली खपत को कम कर देंगे। देश भर के करोड़ों घरों में संयुक्त ऊर्जा बचत बिजली की कुल मांग में बहुत बड़ी कमी लाएगी, जिससे उस बिजली को पैदा करने के लिए खपत किए जाने वाले संसाधनों में कमी आएगी और इस तरह ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी आएगी।

भारत में बिजली खपत का एक बड़ा हिस्सा छत के पंखों पर होता है। अनुमान है कि 2037-38 तक भारत में 700 मिलियन छत के पंखे होंगे। ब्रशलेस डीसी (बीएलडीसी) पंखों या 3-स्टार या 5-स्टार रेटिंग वाले पंखों का उपयोग करके कुल ऊर्जा खपत को कम किया जा सकता है।

इसी तरह, ऊर्जा-कुशल एयर कंडीशनर भी भारी ऊर्जा और पैसे की बचत प्रदान कर सकते हैं, जबकि ये नियमित मॉडल के समान स्तर का आराम प्रदान करते हैं। ईईएसएल अति-दक्ष 1.5 टीआर इन्वर्टर स्प्लिट एयर कंडीशनर प्रदान करता है, जिनकी कीमतें अन्य ऊर्जा-कुशल एयर कंडीशनरों की कीमतों के बराबर हैं। ये अति-दक्ष एसी बाजार में उपलब्ध बीईई 5-स्टार और बीईई 3-स्टार एसी से भी बेहतर हैं।

सीईओ के डेस्क से

श्री विशाल कपूर
सीईओ, ईईएसएल

इन ऊर्जा-कुशल उपकरणों को अपनाने से न केवल बिजली बिलों में कमी आएगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान होगा।

बिजली की खपत के मामले में, 7 वाट का एलईडी बल्ब 14 वाट के कॉम्पैक्ट फ्लोरोसेंट बल्ब या 60 वाट के पुराने बल्ब जितना ही प्रकाश देता है। उन क्षेत्रों में जहां बिजली की आपूर्ति लगातार नहीं होती है, बैटरी बैकअप वाले रिचार्जेबल इन्वर्टर बल्ब रखने की सलाह दी जाती है जो बिजली गुल होने पर भी रोशनी प्रदान कर सकते हैं।

शहरों में आम तौर पर रसोई में गैस चूल्हे और ग्रामीण इलाकों में जैव ईंधन या जलावन वाले चूल्हे का इस्तेमाल होता है। इन पुराने उपकरणों की जगह सौर ऊर्जा से चलने वाले चूल्हे या इंडक्शन चूल्हे लगाने से खाना बनाना काफी तेजी आ सकती है और यह ऊर्जा-कुशल हो सकता है। साथ ही इससे घर के अंदर होने वाले प्रदूषण को भी खत्म किया जा सकता है, जो मानव स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा करता है।

ऊर्जा-कुशल उत्पादों की जानकारी और खरीदारी अब ईईएसएलमार्ट पोर्टल के साथ पहले से कहीं अधिक आसान हो गई है। हर उत्पाद के लिए विस्तृत उत्पाद विवरण, ग्राहक समीक्षा और अनुमानित ऊर्जा बचत प्रदान करके, यह प्लेटफ़ॉर्म उपभोक्ताओं को निर्णय लेने में मदद करता है। ईईएसएलमार्ट ग्राहक सेवा भी प्रदान करता है ताकि ग्राहक अपने द्वारा खरीदे गए उत्पादों के लाभों को अधिकतम कर सकें।

दैनिक कामकाज के लिए बाहर जाना एक आम गतिविधि है, और इसे भी ई-साइकिलों की मदद से अधिक ऊर्जा-कुशल बनाया जा सकता है। ई-साइकिलें काफी किफायती हैं, ई-साइकिल चलाने की लागत लगभग 10-15 पैसे प्रति किलोमीटर है। इसके अलावा, वे उपयोग में आसान हैं और बहुत कम रखरखाव की आवश्यकता होती है। शहरों में, जहां यातायात की भीड़भाड़ है और वायु प्रदूषित हो रहा है, ई-साइकिलें यात्रा का एक बहुत ही सुविधाजनक और पर्यावरण के अनुकूल साधन हैं, जो स्वास्थ्य लाभ, गतिशीलता और गति का संयोजन प्रदान करती हैं।

आवासीय, वाणिज्यिक और औद्योगिक परिसरों में स्मार्ट मीटर और उन्नत मीटरिंग अवसंरचना स्थापित करना, औद्योगिक अनुप्रयोगों के लिए उच्च दक्षता वाले आईई3 मोटर्स का उपयोग करना, कृषि में बीईई 5-स्टार ऊर्जा-कुशल पंप, और ग्रामीण क्षेत्रों में रोशनी के लिए सौर लैंप कुछ अन्य तरीके हैं जिनके माध्यम से हम दैनिक जीवन के विभिन्न पहलुओं में ऊर्जा दक्षता को अपना सकते हैं।

ये सभी छोटे-बड़े बदलाव मिलकर हमें स्वस्थ और सतत जीवनशैली को बढ़ावा देकर भारत के "मिशन लाइफ" को पूरा करने में मदद करेंगे। ईईएसएल भारत के नेट जीरो अर्थव्यवस्था को तेज करने वाले ऊर्जा-कुशल उत्पादों के लिए राष्ट्रव्यापी बाजार बनाने के काम को जारी रख रहा है। आइए याद रखें कि बची हुई ऊर्जा अर्जित ऊर्जा है, और ऊर्जा दक्षता उतनी ही महत्वपूर्ण है जितना ऊर्जा उत्पादन। आइए ऊर्जा दक्षता को न केवल एक पर्यावरणीय जिम्मेदारी के रूप में बल्कि जीवन जीने के एक 'स्मार्ट' तरीके के रूप में अपनाने के लिए ईमानदार प्रयास करें।

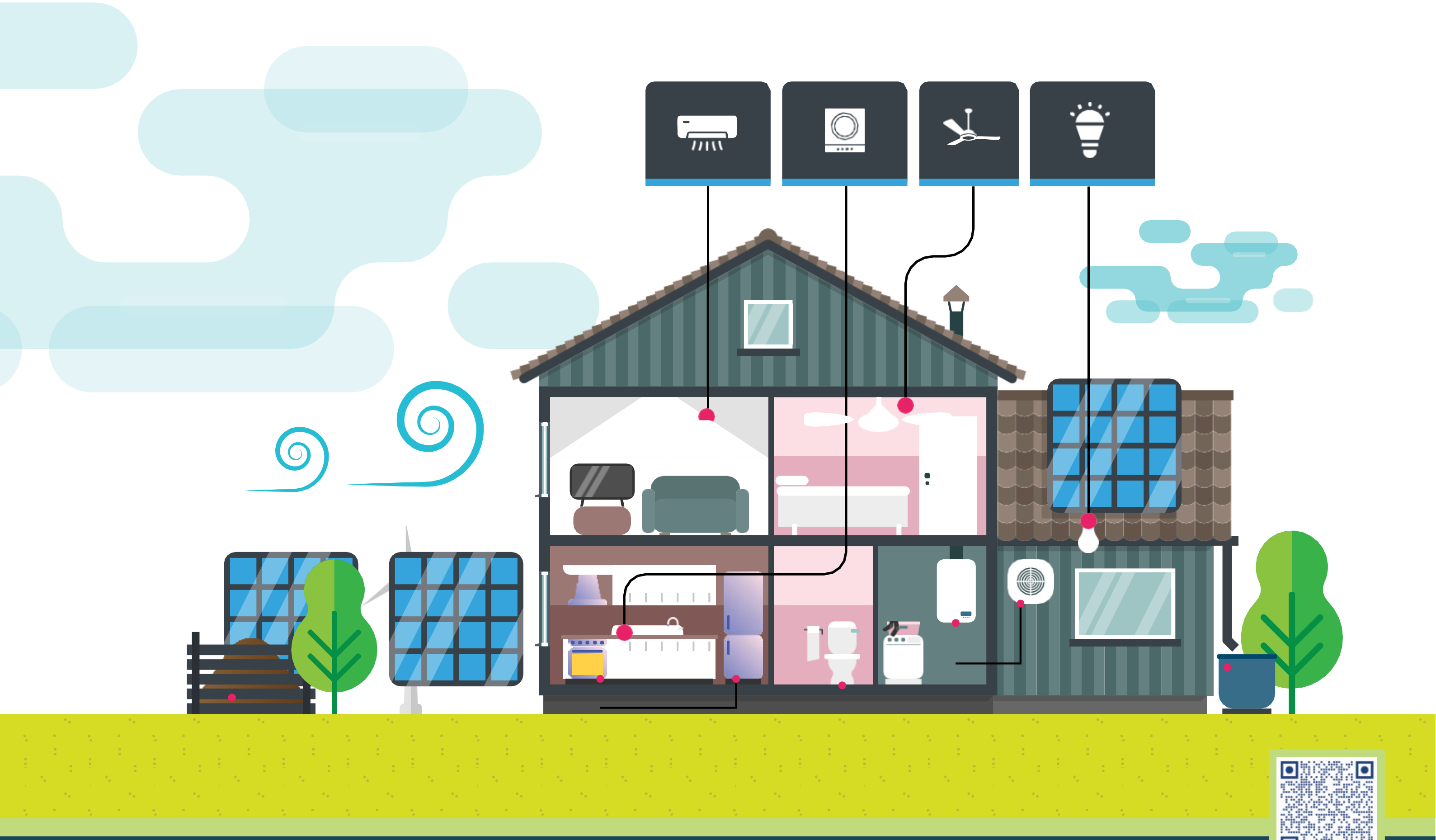

ऊर्जा-कुशल विकल्पों के साथ पर्यावरण अनुकूल जीवन

विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था और सबसे अधिक जनसंख्या वाले देश के रूप में, भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऊर्जा उपभोक्ता है, जिसकी कुल ऊर्जा खपत 2030 तक लगभग 1500 मिलियन टन तेल के समकक्ष तक पहुंच जाएगी। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) के अनुसार, भारत की ऊर्जा मांग अगले दशक में किसी भी अन्य देश की तुलना में अधिक होगी।

बढ़ती मांग के बीच, बढ़ता उत्सर्जन जलवायु परिवर्तन को तेज कर रहे हैं, जिससे भारत के ऊर्जा पोर्टफोलियो में बदलाव की आवश्यकता है। देश ने 2030 तक अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं में से 50% को अक्षय स्रोतों से पूरा करने और 2070 तक शुद्ध-शून्य उत्सर्जक बनने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। इस बदलाव में सौर ऊर्जा एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी बनकर उभरेगा।

सौर ऊर्जा का वादा

सौर ऊर्जा एक स्वच्छ, व्यवहार्य और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत के रूप में अपार संभावना रखती है जो भारत की अर्थव्यवस्था को ताकत प्रदान करते हुए उत्सर्जन को कम करने में सक्षम है। अकेले 2022 की पहली छमाही में, भारत ने सौर ऊर्जा की ओर रूपांतरण करके ईंधन लागत में 4.2 बिलियन अमरीकी डालर की बचत की। इस बदलाव ने 194 मिलियन टन कोयले को जलने से भी रोका, जिससे उत्सर्जन में काफी कमी आई।

हालाँकि, सौर ऊर्जा की क्षमता का पूरी तरह से उपयोग करने के लिए, भारतीय परिवार के व्यवहार में स्पष्ट परिवर्तन आवश्यक है।

व्यवहार परिवर्तन और सौर ऊर्जा को अपनाना

हालांकि उत्सर्जन और जलवायु परिवर्तन की समस्या को वैश्विक और राष्ट्रीय स्तर पर हल किए जाने की आवश्यकता है। ऊर्जा उपयोग में व्यक्तिगत कार्यों और विकल्पों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इन कार्यों और विकल्पों को व्यवहार परिवर्तन के माध्यम से आकार दिया जा सकता है।

व्यवहार परिवर्तन को प्रोत्साहित करने की शुरुआत सौर ऊर्जा समाधानों को घरों के लिए अधिक आकर्षक बनाने से होती है। सौर समाधानों को लागू करने की जटिलताओं और अक्सर बोझिल प्रशासनिक प्रक्रियाओं को देखते हुए, घरों में निराशा हो सकती है और लोग बदलाव के प्रयास को छोड़ सकते हैं। खरीद प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने की तत्काल आवश्यकता है। छत पर लगे सौर पैनलों पर सरकारी सब्सिडी, जैसे कि 'मुफ्त बिजली योजना' के तहत दी जाने वाली सब्सिडी, सही दिशा में एक कदम का प्रतिनिधित्व करती है।

छत पर सौर ऊर्जा अपनाने को प्रोत्साहित करने की रणनीति में इसके ठोस और निकट-अवधि के लाभों पर प्रकाश डालना शामिल है,

श्री शेखर सिंघल,
प्रबंध निदेशक, ईस्टमैन ऑटो एंड पावर लिमिटेड (ईएपीएल)

जैसे कि ऊर्जा स्वतंत्रता और धरती पर सकारात्मक प्रभाव, साथ ही दीर्घकालिक लागत बचत पर भी विशेष जोर दिया जाना चाहिए।

मानवीय स्वभाव भी एक उत्प्रेरक की भूमिका निभाता है। जब अधिक से अधिक लोग किसी व्यवहार को अपनाते हैं, तो यह अधिक स्वीकार्य हो जाता है। जैसे ही घरों में उनके पड़ोसी सौर पैनल लगाते हैं, तो जिज्ञासा और लाभ के बारे में जानने के बाद वे इसे अपनाना चाहते हैं। इस प्रकार सौर ऊर्जा अपनाने वाले घरों की सफलता की कहानियों को साझा किए जाने से इसका प्रभाव बढ़ा सकता है।

ऊर्जा-कुशल उपकरणों की भूमिका

लगभग पांच साल पहले, भारतीय घरों में इलेक्ट्रॉनिक उपकरण खरीदते समय ऊर्जा खपत को ध्यान में नहीं रखा जाता था। आज, एक स्पष्ट बदलाव देखने को मिल रहा है, जिसमें ऊर्जा लागत बचत मुख्य खरीद निर्णय बन गई है, भले ही ये गैजेट अधिक महंगे हों। उद्योग डेटा इंगित करता है कि एयर कंडीशनर और रेफ्रिजरेटर में उपयोग किए जाने वाले इन्वर्टर कंप्रेसर जैसी ऊर्जा-कुशल तकनीकें अब एसी के लिए श्रेणी बिक्री का 85% से अधिक और रेफ्रिजरेटर के लिए 40% हिस्सा रखती हैं, जबकि तीन साल पहले यह क्रमशः 60% और 20% थी।

यहां ध्यान देने वाली बात यह है कि यदि शहरी निवासियों ने पांच-सितारा रेटेड उपकरणों का उपयोग करने के लागत-लाभ अनुपात को देखा है, तो वही छत वाले सौर पैनलों के लिए भी सच है। जबकि प्रारंभिक निवेश व्यय अधिक हो सकता है, लंबे समय में लागत-लाभ अनुपात निर्विवाद है..

ग्रामीण मोर्चे पर, ऊर्जा-कुशल उपकरणों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सरकारी पहल वांछनीय व्यवहार परिवर्तन को बढ़ावा देने में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करती है। उजाला कार्यक्रम, दुनिया की सबसे बड़ी शून्य-सब्सिडी घरेलू प्रकाश व्यवस्था पहल है, जिसकी वजह से सफलतापूर्वक लाखों घरों में एलईडी बल्ब लग पाए, उनकी लागत को 350 रूपए से कम करके एक किफायती 70-80 रुपए कर दिया गया। इस प्रकार, ऊर्जा-कुशल उपकरणों के वित्तीय और पर्यावरणीय लाभों के बारे में उपभोक्ता जागरूकता को बढ़ाकर, सौर अपनाने केलिए समान रणनीतियों को लागू किया जा सकता है।

इसके अतिरिक्त, जीवन के महत्वपूर्ण चरणों में हस्तक्षेप महत्वपूर्ण हो सकता है। उपभोक्ता डेटा घर के नवीनीकरण या नए निर्माण जैसी जीवन घटनाओं के बारे में जानकारी प्रदान कर सकता है, जो छत पर सौर ऊर्जा स्थापना के लिए उपयुक्त अवसर प्रस्तुत करते हैं। इन महत्वपूर्ण क्षणों के दौरान लक्षित हस्तक्षेप सौर ऊर्जा को अपनाने में तेजी ला सकते हैं।

स्थायी ऊर्जा विकल्पों की दिशा में सोच बदलने को प्रोत्साहित करके, भारत अपनी नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्यों की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ा सकता है। सरकार, व्यवसायों और व्यक्तियों का सहयोग एक सतत ऊर्जा भविष्य बनाने के लिए जरूरी है, ताकि मिलकर हम सौर ऊर्जा से संचालित एक स्वच्छ, हरित भारत का मार्ग प्रशस्त कर सकें।

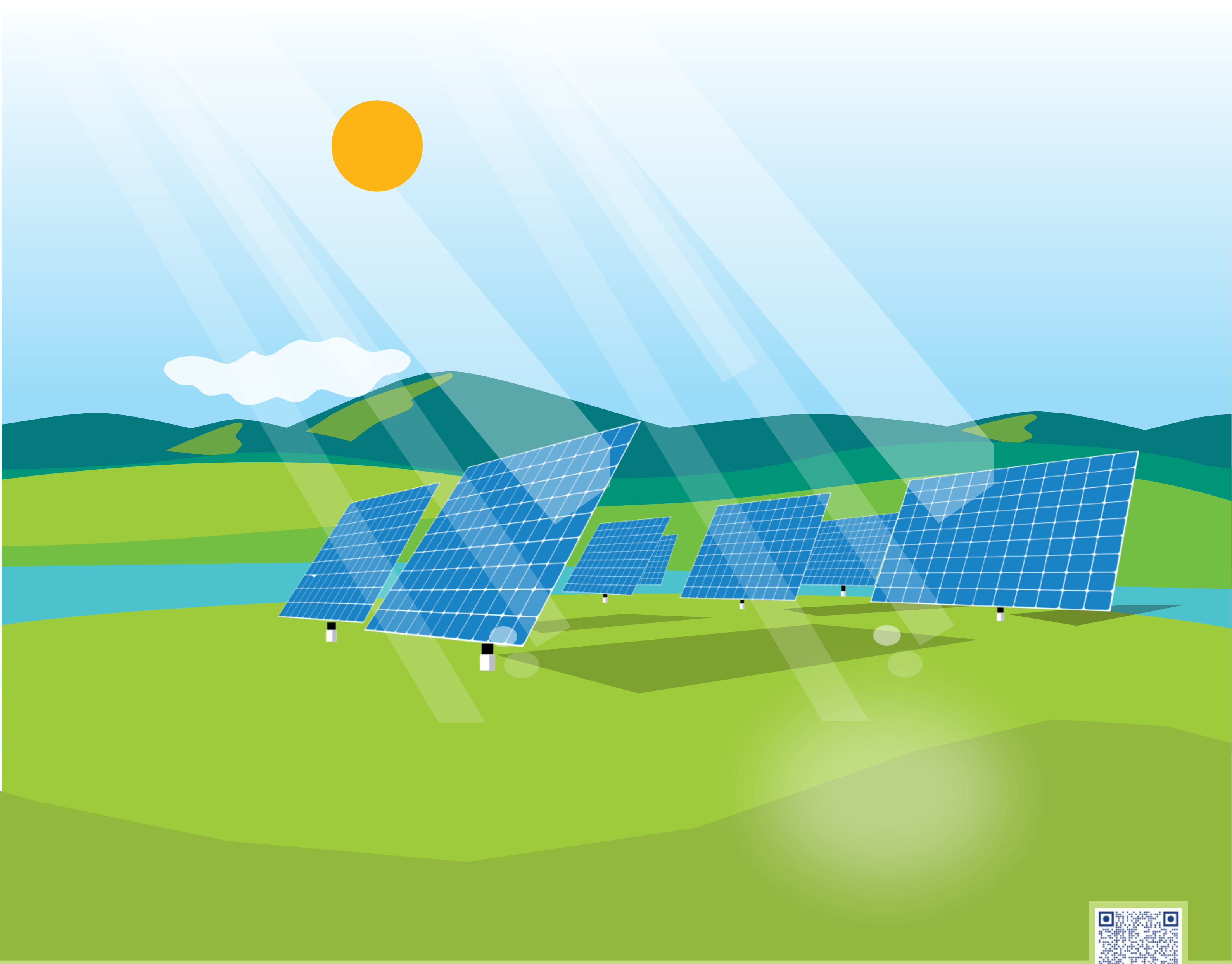

बीएलडीसी पंखों के साथ शीतलन में क्रांतिकारी बदलाव: ग्रामीण ऊर्जा चुनौती के लिए एक स्थायी समाधान

श्री मनीष चंद्र मिश्रा, सहायक संपादक, मोंगाबे इंडिया

गया ज़िले के दोभी गांव में, एक शांत क्रांति ऊर्जा-कुशल शीतलन के क्षेत्र में हो रही है। इसका नेतृत्व सविता कुमारी कर रही हैं, जो एक दूरदर्शी उद्यमी हैं और स्थायी ऊर्जा के प्रति जुनूनी हैं। ऊर्जा-कुशल समाधानों को बढ़ावा देने के लिए एक स्थानीय पहल का नेतृत्व करते हुए, सविता ग्रामीण समुदायों में ब्रशलेस डायरेक्ट करंट (बीएलडीसी) पंखे पेश कर रही हैं। ये पंखे, पारंपरिक छत के पंखों द्वारा उपयोग की जाने वाली बिजली का एक अंश का उपभोग करते हुए, उन क्षेत्रों में जीवन रेखा साबित हो रहे हैं जहां बिजली दुर्लभ और महंगी है।

सविता अपने समुदाय को ऊर्जा-कुशल उत्पादों जैसे सौर लैंप, एलईडी बल्ब और बीएलडीसी पंखों के मूल्य के बारे में शिक्षित करने के लिए एक सोलर मार्ट चलाती हैं। वह बताती हैं, " एक औसत पंखे को खरीदने में 1,300-1,700 रुपये के बीच खर्च हो सकता है, इसकी तुलना में ऊर्जा-कुशल, पांच-सितारा-रेटेड पंखे अधिक महंगे होते हैं।" "लेकिन हमारा लक्ष्य लोगों को यह समझाने में मदद करना है कि, शुरू में यह पंखे हमें अधिक महंगे लग सकते हैं, लेकिन बिजली बिलों पर बचत के कारण लंबे समय में बीएलडीसी पंखे किफायती होते हैं।"

2021 के अक्टूबर से जुलाई के बीच, यूसी बर्कले और आईआईटी बॉम्बे की साझेदारी में बिहार के उन गांवों में एक अध्ययन किया गया जहां पहले बीएलडीसी पंखे उपलब्ध नहीं थे। इस तकनीकी परीक्षण में 36 घरों को शामिल किया गया, जिससे यह पता चला कि बीएलडीसी पंखे बिजली के उतार-चढ़ाव और कटौती के बावजूद प्रभावी ढंग से संचालित होते हैं और पारंपरिक पंखों की तुलना में 67-83% कम बिजली का उपयोग करते हैं जो आमतौर पर 75 वाट की खपत करते हैं। अर्ध-शहरी और ग्रामीण आबादी वाले क्षेत्र विशेष रूप से बीएलडीसी पंखे जैसी ऊर्जा-कुशल तकनीकों के लिए उपयुक्त हैं।

इन पंखों में पारंपरिक मॉडलों की तुलना में 70% तक कम बिजली की खपत होती है, जिससे सीमित बिजली संसाधनों का अधिकतम उपयोग किया जा सकता है - यह एक महत्वपूर्ण लाभ है, खासकर उन क्षेत्रों में जहां निर्बाध बिजली अक्सर दुर्लभ होती है। बुनियादी घरेलू उपकरणों की ऊर्जा मांग को कम करके, बीएलडीसी पंखे ऊर्जा पहुंच और किफायत में सुधार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं, जो बिजली की लगातार कटौती और उच्च बिजली लागत का सामना कर रहे समुदायों के लिए महत्वपूर्ण है।

जैसे-जैसे वैश्विक तापमान बढ़ रहा है और भारत में गर्मी बढ़ने लगी हैं, किफायती शीतलन विकल्पों की मांग बढ़ती जा रही है। 2019-21 के राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार, 88% भारतीय घरों में छत के पंखे पाए जाते हैं, जो विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में प्राथमिक शीतलन स्रोत हैं। छत के पंखों की भारत में सालाना लगभग 41 मिलियन यूनिट की बिक्री होती है। इसका मतलब यह है कि वे आवासीय बिजली की खपत में अनुमानित 20% हिस्सा महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

फिर भी, भारत की कुल बिजली खपत को 15% तक कम करने की क्षमता के बावजूद, ऊर्जा-कुशल पंखे कुल पंखा बिक्री का केवल 3% हिस्सा हैं। ग्रामीण घरों में, जहां बिजली की लागत और पहुंच दोनों ही सीमित होती हैं, बीएलडीसी पंखे एक आदर्श समाधान के रूप में उभर रहे हैं। मानक पंखे 70-90 वाट के बीच बिजली की खपत करते हैं, जबकि बीएलडीसी मॉडल सिर्फ 28-35 वाट पर चलते हैं, जिससे बिजली का उपयोग काफी कम हो जाता है। ऊर्जा की मांग में यह भारी कमी न केवल बिजली के बिलों में कटौती करती है बल्कि स्थानीय ग्रिड पर बोझ को भी कम करती है, जिससे बीएलडीसी पंखे उन समुदायों के लिए विशेष रूप से मूल्यवान हो जाते हैं जो सीमित या सौर ऊर्जा पर निर्भर हैं।

ऊर्जा दक्षता बढ़ाने से, ये पंखे सतत जीवन शैली में योगदान करते हैं और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को अपनाने में सहायता करते हैं, जिससे लचीले, पर्यावरण-अनुकूल ग्रामीण वातावरण को बढ़ावा मिलता है।

बिजली की कम पहुंच वाले क्षेत्रों में बढ़ते तापमान का सामना कर रहे लोगों के लिए, ऊर्जा दक्षता के बारे में उपभोक्ताओं को शिक्षित करके और वित्तीय विकल्प प्रदान करके, स्थायी शीतलन समाधान हासिल किए जा सकते हैं। कम रखरखाव लागत और लंबे जीवनकाल के साथ, बीएलडीसी पंखे न केवल व्यावहारिक हैं, बल्कि ग्रामीण विकास के लिए आवश्यक दीर्घकालिक ऊर्जा संरक्षण प्रयासों में भी योगदान करते हैं।

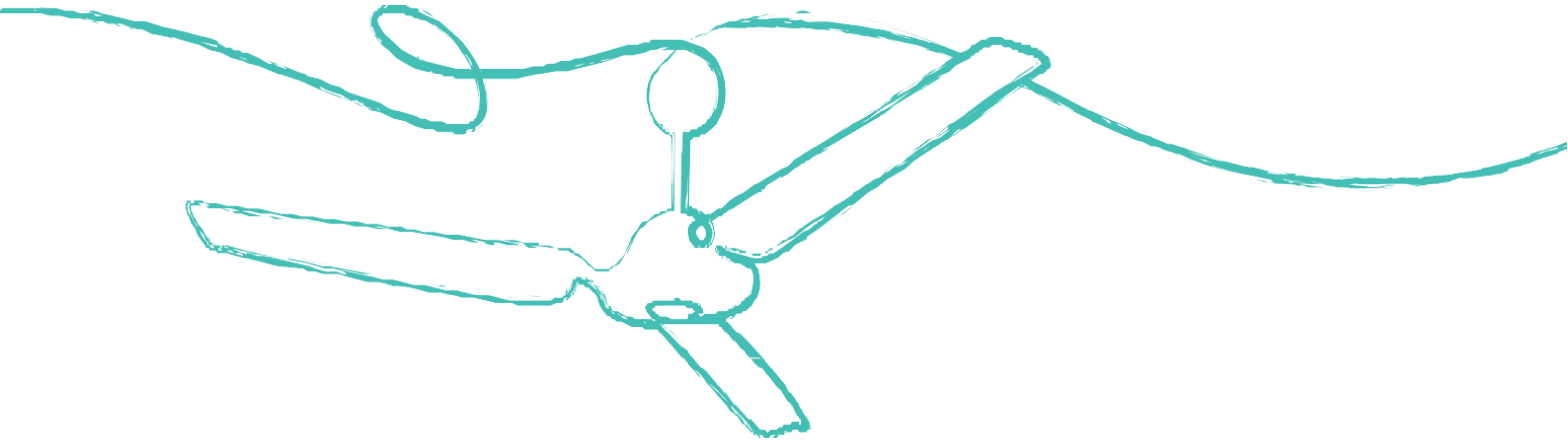

ईईएसएलमार्ट के ऊर्जा-कुशल उपकरण: सतत भविष्य के लिए स्मार्ट विकल्प

1.0 टीआर अति दक्ष 5 स्टार स्प्लिट एसी:
हमारे 1.0 टीआर स्प्लिट एसी के साथ कूलिंग और ऊर्जा बचत को अधिकतम करें, जिसमें 6.2 का प्रभावशाली आईएसईईआर है।

₹ 36,501.00 (कर सहित/ईकाई)

1.5 टीआर अति-दक्ष 5 स्टार स्प्लिट एसी: हमारे 1.5 टीआर स्प्लिट एसी के साथ बेहतर आराम और ऊर्जा दक्षता का अनुभव करें जो 5.8 के आईएसईईआर के साथ आता है।

₹ 48,150.00 (कर सहित/ईकाई)

5 स्टार बीएलडीसी सीलिंग फैन (रिमोट के साथ):
हमारे 5 स्टार बीएलडीसी सीलिंग फैन के साथ एयर सर्कुलेशन और ऊर्जा दक्षता के सही मिश्रण का अनुभव करें।

₹ 2,699.00 (कर सहित/ईकाई)

5 स्टार बीएलडीसी सीलिंग फैन (रिमोट के बिना):
हमारे 5स्टार बीएलडीसीसीलिंग फैन दक्षता और एयर सर्कुलेशन का मिश्रण है ,जिसे रेगुलेटर के साथ डिज़ाइन किया गया है।

₹ 2,699.00 (कर सहित/ईकाई)

आपातकालीन एलईडी बल्ब 10वाट, 1050 ल्यूमेंस:
बिजली कटौती के दौरान हमारे 10 वाट आपातकालीन एलईडी बल्ब से रोशनी पाएं, जो 4 घंटे का बैकअप देता है।

₹ 459.00 (कर सहित / ईकाई)

5 स्टार 6 वाट एलईडी बल्ब:
हमारे पांच स्टार 6 वाट के एलईडी बल्ब प्रति वाट150 ल्यूमेंस की शानदार दक्षता प्रदान करता है। जो इसे साधारण बल्बों की तुलना में शानदार विकल्प बनाता है।

₹ 85.00 (कर सहित / ईकाई)

20वाट इंट बैटन ट्यूबलाईट: हमारे 20 वाट इंट बैटन ट्यूबलाइट के साथ 10% ज़्यादा रोशनी का आनंद लें। यह 2200 ल्यूमेन के प्रभावशाली लाइट आउटपुट और सिर्फ़ 20 वाट की बिजली खपत के साथ आता है

₹ 199.00 (कर सहित /ईकाई)

9 वाट का एलईडी बल्ब:
उर्जा बचाएं और पर्यावरण अनुकूल 9 वाट के एलईडी बल्ब से अपने घर को रोशन करें।

₹ 75.00 (कर सहित /ईकाई)

1200 वाट इंडक्शन कुकटॉप:
हमारे 1200 वाट इंडक्शन कुकटॉप के साथ सुरक्षित और ऊर्जा कुशल खाना पकाना सुनिश्चित करें, जिसमें ऑटो शट-ऑफ और चाइल्ड लॉक सुरक्षा सुविधाएँ हैं

₹ 1,900.00 (कर सहित / ईकाई)

हरित घर के लिए उज्ज्वल विकल्प: एलईडी लाइटिंग, इन्वर्टर बल्ब और ट्यूब लाइट

आधुनिक अर्थव्यवस्थाओं में रोशनी एक परिवर्तनकारी भूमिका निभाती है, जो कनेक्टिविटी, व्यापार, शिक्षा और सामुदायिक कल्याण को संचालित करती है। आर्थिक और सामाजिक विकास को बढ़ावा देने के अलावा, विश्वसनीय रोशनी सुरक्षा बढ़ाती है और जीवन की गुणवत्ता में योगदान देती है। जैसे-जैसे घर और समुदाय अपने स्थानों को रोशन करने के लिए अधिक पर्यावरण-अनुकूल तरीकों की तलाश कर रहे हैं, एलईडी, इन्वर्टर बल्ब और उन्नत ट्यूब लाइट जैसे ऊर्जा-कुशल प्रकाश विकल्प स्थायी विकल्पों को सुलभ और किफायती बना रहे हैं।

भारत व्यक्तिगत और राष्ट्रीय स्तर दोनों पर सतत प्रकाश व्यवस्था समाधानों को बढ़ावा देने में वैश्विक लीडर बन गया है, जो संसाधनों की बचत और उत्सर्जन को कम करने वाली ऊर्जा-कुशल प्रकाश व्यवस्था की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करता है । नवीन प्रकाश व्यवस्था समाधानों को अपनाकर, घरों को न केवल अपने बिजली बिलों में कमी आती है, बल्कि सभी के लिए ऊर्जा पहुंच का विस्तार भी होता है, जिससे आर्थिक और सामाजिक लाभ उत्पन्न होते हैं जो समुदायों को ऊपर उठाते हैं।

एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड इस अभियान का नेतृत्व कर रहा है, और "उजाला" (सभी के लिए सस्ती एलईडी द्वारा उन्नत ज्योति) और स्ट्रीट लाइटिंग नेशनल प्रोग्राम (एसएलएनपी) जैसे अभिनव कार्यक्रमों को शुरू कर रही है, जो ऊर्जा-कुशल प्रकाश व्यवस्था की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। अकेले उजाला कार्यक्रम ने पारंपरिक बल्बों से एलईडी तकनीक की ओर एक राष्ट्रव्यापी बदलाव को प्रेरित किया है।

ईईएसएल की पेशकशों में हाल ही में एक उल्लेखनीय उत्पाद शामिल किया गया है-**इन्वर्टर बल्ब**, जो आपातकालीन रोशनी के लिए एक विश्वसनीय समाधान है। बिजली कटौती के दौरान 4 घंटे तक का बैकअप प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया, ईईएसएल का रिचार्जेबल इन्वर्टर बल्ब निर्बाध रोशनी प्रदान करता है, जिससे घरों को बिजली की लागत को प्रबंधित करने और बिजली व्यवधानों के समय एक विकल्प प्रदान करता है।

ईईएसएल के एलईडी बल्ब अपनी उल्लेखनीय ऊर्जा बचत के लिए जाने जाते हैं, जो ऊर्जा खपत में 90% तक की कमी हासिल करते हैं। नया 5-स्टार रेटेड 6-वाट एलईडी बल्ब और भी अधिक कुशल विकल्प प्रदान करता है,

श्री अमित कुमार शर्मा, **मुख्य महाप्रबंधक, सूर्या रोशनी लिमिटेड**

जो 9-वाट बल्ब के समान चमक प्रदान करता है लेकिन 30% कम ऊर्जा का उपयोग करता है - प्रदर्शन और बचत दोनों के मामले में उपभोक्ताओं के लिए लाभ को दोगुना करता है।

ईईएसएल की एलईडी ट्यूब लाइटें व्यापक प्रकाश व्यवस्था की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए उच्च-प्रदर्शन तकनीक से निर्मित हैं, जो बाजार में मौजूद मानक मॉडलों की तुलना में 10% अधिक, 2200 ल्यूमेन की चमक प्रदान करती हैं। ये ट्यूब लाइटें उन्नत सर्ज और ओवरलोड सुरक्षा के साथ आती हैं, जो बेहतर स्थायित्व और विश्वसनीयता सुनिश्चित करती हैं। और ईईएसएल की गुणवत्ता और स्थायित्व के प्रति प्रतिबद्धता को पुष्ट करती हैं।

ऊर्जा-कुशल एलईडी, ट्यूब लाइट और इन्वर्टर बल्बों को अपनाने से घरों को पर्यावरणीय प्रभाव कम करने और राष्ट्रीय ऊर्जा बचत में योगदान करने में मदद मिलती है। ईईएसएल जैसे अग्रणी कार्यक्रमों के साथ, भारत एक ऐसे भविष्य की राह बना रहा है जहां सतत प्रकाश समाधान आर्थिक विकास और पर्यावरणीय संरक्षण दोनों को शक्ति प्रदान करते हैं।

ऊर्जा दक्षता में संचार का महत्व

श्री अनिमेष मिश्रा , मुख्य महाप्रबंधक एवं प्रमुख (विक्रय एवं जनसंपर्क), ईईएसएल

बढ़ती ऊर्जा मांगों के साथ-साथ ऊर्जा उत्पादन के बारे में गंभीर चिंताएं भी बढ़ रही हैं। ऐसे में उपलब्ध ऊर्जा का विवेकपूर्ण उपयोग और कम से कम बर्बादी के साथ उपयोग करना आवश्यक हो जाता है। इसलिए ऊर्जा दक्षता की आवश्यकता लगभग स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन की आवश्यकता जितनी ही महत्वपूर्ण है। लेकिन क्या लोग वास्तव में इस तथ्य की सराहना करते हैं? और सबसे पहले, कितने लोग इसके बारे में जानते हैं?

वर्ष 2020 में काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वाटर (सीईईडब्ल्यू) द्वारा प्रकाशित लेख में पाया गया कि ग्रामीण घरों में से केवल एक-पांचवां हिस्सा और शहरी घरों में से दो-पांचवां हिस्सा बीईई स्टार लेबल से अवगत था। अध्ययन से पता चला कि जहां ऊर्जा-दक्ष एयर कंडीशनर और रेफ्रिजरेटर का उपयोग काफी था, वहीं पंखे, गीजर और वॉशिंग मशीन जैसे उपकरणों के मामले में ऐसा नहीं था। अध्ययन इंडिया रेजिडेंशियल एनर्जी कंजम्पशन सर्वे पर आधारित था।

हम एक ऐसे युग में रह रहे हैं जहां हर जगह, हर समय संचार होता है। हमारे पास सामग्री का उपभोग और निर्माण करने के लिए कई तरह की तकनीकें, मंच और माध्यम मौजूद हैं। अब समय आ गया है कि हम इन उपकरणों की व्यक्तिगत और सामूहिक शक्ति का उपयोग करके ऊर्जा दक्षता को जीवन का एक तरीका बनाने की आवश्यकता का संचार करें। ऊर्जा दक्षता का विचार किसी विशिष्ट क्षेत्र या संस्था तक सीमित नहीं है, वास्तव में, इसका सबसे व्यापक आधार है, जिसमें सरकारें, उद्योग, संस्थान, संगठन, समुदाय और व्यक्ति शामिल हैं।

सरकारों की जिम्मेदारी ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देने और लागू करने के लिए नीतिगत समर्थन प्रदान करने की है, जबकि अन्य लोगों पर इसे अपने दैनिक कार्यों में एकीकृत करने का दायित्व है। चूंकि ऊर्जा दक्षता के अनुप्रयोग एक हितधारक समूह से दूसरे समूह में भिन्न हो सकते हैं, इसलिए उनमें से प्रत्येक पर अपने स्वयं के और संबद्ध डोमेन के आसपास शक्तिशाली और प्रासंगिक संचार डिजाइन करने का दायित्व है। सभी ऐसे पहलुओं को सामयिक, सटीक और व्यवस्थित तरीके से संप्रेषित किया जाना चाहिए। आजकल, सूचना और गलत सूचना दोनों ही मिनटों में दूर-दूर तक फैल सकती हैं।इसलिए स्पष्ट संचार करना और किसी भी भ्रम को दूर करना महत्वपूर्ण है।

भारत दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और वैश्विक ऊर्जा संक्रमण के बीच एक चमकदार प्रकाशस्तंभ है। आने वाले दशकों में ऊर्जा दक्षता क्षेत्र को बड़े पैमाने पर बढ़ाने के लिए बड़े निवेश की आवश्यकता होगी। हर कदम पर अवसरों और चुनौतियों को स्पष्ट रूप से संप्रेषित किया जाना चाहिए। मीडिया विश्वास और पारदर्शिता का माहौल बनाने में बड़ी भूमिका निभा सकता है। जैसे-जैसे भारत शुद्ध-शून्य अर्थव्यवस्था की दिशा में आगे बढ़ रहा है, ऊर्जा दक्षता की भूमिका और

इस दिशा में चल रही पहलों को उजागर किया जाना चाहिए। ऊर्जा दक्षता न केवल पर्यावरणीय नेतृत्व का विषय है बल्कि बाजार विस्तार, रोजगार सृजन, आर्थिक विकास और सतत विकास का प्रमुख चालक भी है। मीडिया और संचार को सकारात्मक माहौल बनाने और लोगों को इसे अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।

भारत दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और वैश्विक ऊर्जा संक्रमण के बीच एक चमकदार प्रकाश स्तंभ है। आने वाले दशकों में ऊर्जा दक्षता क्षेत्र को बड़े पैमाने पर बढ़ाने के लिए बड़े निवेश की आवश्यकता होगी। इस क्षेत्र में विकास नीति निर्माताओं, व्यवसायों और निवेशकों द्वारा समान रूप से बारीकी से देखा जाएगा, दोनों यहाँ भारत में 460 मिलियन से अधिक सक्रिय सोशल मीडिया उपयोगकर्ता हैं - लगभग एक तिहाई आबादी। उनके उपयोग की आदतों के अध्ययनों से पता चला है कि दूसरों के संपर्क में रहने के अलावा, इन प्लेटफार्मों पर उनका अधिकांश समय समाचार पढ़ने, दिलचस्प सामग्री खोजने और व्यापक रूप से चर्चा किए जा रहे विषयों और रुझानों का पालन करने में व्यतीत होता है। व्हाट्सएप, यूट्यूब, फेसबुक, इंस्टाग्राम और गूगल देश में सबसे अधिक डाउनलोड किए जाने वाले ऐप्स में से हैं।

बिजली उत्पादक कंपनियां, वितरण कंपनियां और उत्पाद कंपनियों को इन प्लेटफॉर्मों का उपयोग रचनात्मक और आकर्षक तरीकों से करना चाहिए ताकि ऊर्जा और जलवायु संकट के बारे में जागरूकता पैदा हो सके और यह समझाया जा सके कि ऊर्जा दक्षता न केवल दुनिया को लाभान्वित करेगी बल्कि उनके अपने जीवन में भी सकारात्मक बदलाव लाएगी। इस दिशा में शॉर्ट-वीडियो कंटेंट संचार का एक अत्यधिक प्रभावी साधन हो सकता है। भारत वीडियो सामग्री खपत के लिए सबसे बड़े और सबसे तेजी से बढ़ते बाजारों में से एक है, और उद्योग अध्ययनों से पता चलता है कि लगभग 50% भारतीय एक दिन में 30 मिनट से अधिक समय तक शॉर्ट-फॉर्म वीडियो देखते हैं, जबकि लगभग 47% शॉर्ट-फॉर्म वीडियो से प्रभावित होकर खरीदारी करते हैं।

उपभोक्ता बाजार में ऊर्जा दक्षता अपेक्षाकृत नई घटना है; आज उपलब्ध उत्पादों में से ऊर्जा-कुशल उत्पादों का हिस्सा छोटा है, लेकिन यह लगातार बढ़ रहा है। संचार का मूल्य उपभोक्ताओं को इन उत्पादों के लाभों की सराहना कराने और उन्हें उनकी उपलब्धता और सामर्थ्य के बारे में सूचित करने में निहित है। ईईएसएल, अपनी ओर से, ईईएसएलमार्ट के माध्यम से ऐसा और भी बहुत कुछ कर रहा है।

आजकल किसी भी विचार, उत्पाद या सेवा को सामाजिक और भौगोलिक सीमाओं से परे बड़ी संख्या में लोगों तक पहुंचाने का सबसे अच्छा तरीका डिजिटल माध्यम है। जैसे-जैसे ईईएसएल ऊर्जा दक्षता को मुख्यधारा में लाने की दिशा में काम कर रहा है, इसका ई-कॉमर्स पोर्टल दोहरे उद्देश्य पूरा करता है। यह दो तरीके से काम करता है : (क) लोगों को ऊर्जा-कुशल समाधानों को अपनाने के लागत और जीवनशैली लाभों के बारे में शिक्षित करना, और (ख) संबंधित उत्पादों और सेवाओं तक आसान पहुंच प्रदान करना।

अधिकांश भारतीय उपभोक्ता मूल्य-संवेदनशील होते हैं, और खरीद करते समय लागत, ब्रांड लोकप्रियता, उत्पाद स्थायित्व और ऊर्जा बचत जैसे पैरामीटर सभी को देखते हैं। प्रत्येक उत्पाद के लिए विस्तृत उत्पाद विवरण, ग्राहक समीक्षा और अनुमानित ऊर्जा बचत प्रदान करके, प्लेटफ़ॉर्म खरीदारों को सूचित निर्णय लेने में मदद करता है। सभी नए विचारों की तरह, ऊर्जा दक्षता को अपनाने के लिए मानसिकता में बदलाव की आवश्यकता होती है। संचार की शैक्षिक भूमिका बहुत महत्व रखती है। समय के साथ, ऊर्जा-दक्षता-केंद्रित संचार उपभोक्ताओं को धीरे-धीरे अपने जीवन के अन्य क्षेत्रों में भी स्थायी विकल्प बनाने की दिशा में प्रेरित करेगा।

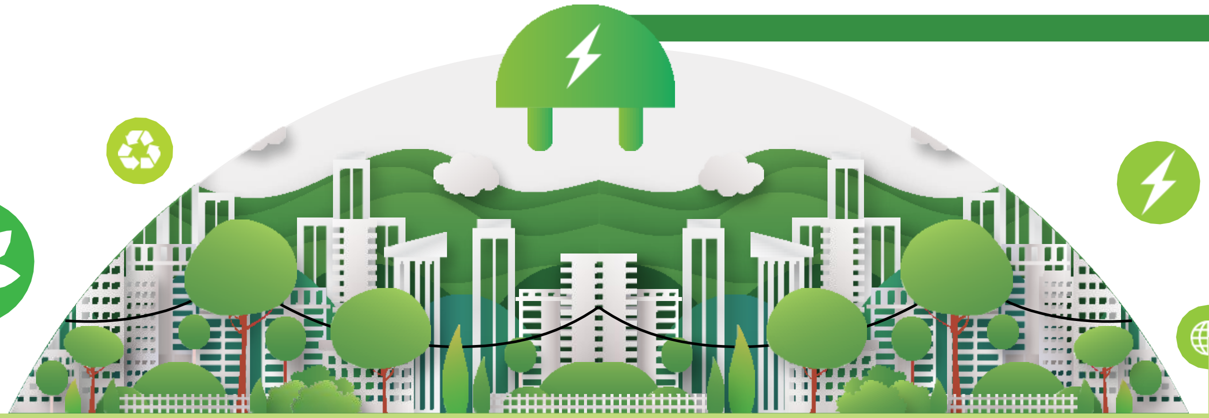

स्विच करो, सेव करो

भारत को सतत रूप से रोशन करना : ईईएसएल का ऊर्जा कुशल एलईडी स्ट्रीट लाइटिंग अभियान

श्री राज कुमार रखरा
मुख्य महाप्रबंधक एवं प्रमुख (संचालन - प्रकाश/वाणिज्यिक), ईईएसएल

सड़क पर पर्याप्त रोशनी एक आवश्यक सार्वजनिक सुविधा है। अच्छी तरह से रोशन सड़कें नागरिकों और मोटर चालकों के लिए सड़कों को सुरक्षित बनाती हैं और अपराध की घटनाओं को कम करती हैं। दूसरी ओर, अप्रभावी प्रकाश व्यवस्था से ऊर्जा और वित्तीय संसाधनों की बर्बादी हो सकती है, जबकि खराब रोशनी असुरक्षित नागरिक परिस्थितियां पैदा कर सकती है। हमारे जैसे बड़े देश में, सड़क प्रकाश कुल ऊर्जा लागत का एक महत्वपूर्ण प्रतिशत खपत करता है। इसलिए, सड़कों को रोशन करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले लाइट न केवल तेज रोशनी वाले होने चाहिए बल्कि ऊर्जा-कुशल भी होने चाहिए।

जनवरी, 2015 को भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने स्ट्रीट लाइटिंग नेशनल प्रोग्राम (एसएलएनपी) का शुभारंभ किया। यह कार्यक्रम आंध्र प्रदेश में 75,000 ऊर्जा-कुशल एलईडी स्ट्रीटलाइट्स की स्थापना के साथ शुरू हुआ, और बाद में पूरे देश के नगर पालिकाओं, शहरी स्थानीय निकायों और ग्राम पंचायतों में लागू किया गया। तब से यह भारत की सार्वजनिक प्रकाश व्यवस्था के परिवर्तन के केंद्र में रहा है। इसने जीवन की गुणवत्ता में काफी सुधार किया है और रोजगार के अवसर पैदा करके, गतिशीलता, सुरक्षा और व्यापार को बढ़ावा देकर स्थानीय समुदायों के लिए समृद्धि लाई है।

एसएलएनपी दुनिया का सबसे बड़ा स्ट्रीट लाइटिंग कार्यक्रम है। इसकी सफलता तीन स्तंभों पर आधारित है: एक आकर्षक 'पे ऐज यू सेव' मॉडल जो नगरपालिकाओं को शुरुआती निवेश करने की आवश्यकता को समाप्त करता है, डिजिटल रूप से कनेक्टेड स्मार्ट लाइट के लाभ; और इससे मिलने वाले कार्बन और लागत लाभ।

अब तक, कार्यक्रम के तहत स्थापित 1.34 करोड़ एलईडी स्ट्रीट लाइटों ने कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन को 6.2 मिलियन टन से अधिक कम कर दिया है, 1,500 मेगावाट की अधिकतम मांग को टाला है, और प्रति वर्ष 9001 एमयू ऊर्जा खपत को कम किया है। ये संख्याएं भारत को अपने ऊर्जा लक्ष्यों को पूरा करने में मदद करने में ऊर्जा दक्षता की क्षमता को रेखांकित करती हैं।

इसके अलावा, एसएलएनपी ने एलईडी लाइट्स के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा दिया है, एक ऐसा क्षेत्र जिसमें भारत पहले आयात पर निर्भर था। एसएलएनपी की स्थापना के बाद से छह वर्षों में, औद्योगिक एलईडी लाइट्स के उत्पादन में आठ गुना वृद्धि हुई है। इसी दौरान, एलईडी लाइट्स की कीमतें 180 रुपये प्रति वाट से घटकर 40 रुपये प्रति वाट हो गईं। इस कार्यक्रम ने स्ट्रीट लाइट्स की बिक्री में भी कई गुना वृद्धि करने में योगदान दिया।

एसएलएनपी कार्यक्रम को लागू करने के लिए, ईईएसएल ने राज्य सरकारों, नगर निकायों और शहरी स्थानीय निकायों के साथ भागीदारी की, जिसमें बाद वाले की ओर से कोई अग्रिम निवेश नहीं किया गया। इसने एलईडी को अपनाना एक बहुत ही आकर्षक प्रस्ताव बना दिया और कार्यक्रम में अधिक से अधिक भागीदारी को प्रोत्साहित किया। ईईएसएल ने एक अनूठा व्यवसाय मॉडल अपनाया है जिसमें यह ऊर्जा और रखरखाव लागत में कमी से होने वाली बचत का मुद्रीकरण करके समय के साथ अपने पूंजी निवेश की वसूली करता है।

स्थानीय निकायों के साथ सात वर्ष का अनुबंध करके, जिसमें न्यूनतम 45-50% ऊर्जा बचत की गारंटी दी गई तथा लाईटों के नि:शुल्क प्रतिस्थापन और रखरखाव की पेशकश की गई। ईईएसएल ने एसएलएनपी को आकर्षक बनाया तथा उन बाधाओं को दूर किया जो पारंपरिक रूप से देश में स्ट्रीट लाईटों के बड़े पैमाने पर प्रतिस्थापन में बाधा उत्पन्न कर रही थीं।

यदि इस कार्यक्रम का विस्तार नए शहरी स्थानीय निकायों, ग्राम पंचायतों और संस्थागत उपयोगकर्ताओं जैसे एनएचएआई, भारतीय बंदरगाहों, रेलवे यार्डों, उद्योगों और देश भर के टाउनशिप तक किया जाए तो इसका प्रभाव कई गुना बढ़ जाएगा। कार्यक्रम को लागू करने और मुद्रीकरण करने के लिए नए मॉडल तलाशना भी एक अच्छा विचार हो सकता है। एसएलएनपी एक आत्मनिर्भर सरकारी पहल के रूप में उभरा है।

इसने न केवल ऊर्जा बचत और उत्सर्जन में कमी जैसे पारंपरिक लाभों को पार किया है, बल्कि इस क्षेत्र में बड़े पैमाने पर निवेश को भी प्रेरित किया है और देश और उसकी सरकारों के लिए ठोस लाभ प्रदान किए हैं।

सामाजिक दृष्टिकोण से, एसएलएनपी ने न केवल सड़क सुरक्षा को बढ़ावा दिया है, बल्कि पूरी आपूर्ति श्रृंखला में रोजगार के अवसर भी पैदा किए हैं। एसएलएनपी इस बात का उदाहरण है कि कैसे स्मार्ट, ऊर्जा-कुशल स्ट्रीट लाइटिंग सुरक्षा में सुधार और आर्थिक गतिविधियों का समर्थन करके नागरिकों के लिए बेहतर जीवन स्तर सक्षम कर सकती है। यह दर्शाता है कि कैसे ऊर्जा दक्षता भारत के ऊर्जा संक्रमण और स्थिरता लक्ष्यों में योगदान कर सकती है, और हमें एक स्वच्छ, उज्जवल और अधिक समृद्ध भारत की ओर ले जा सकती है।

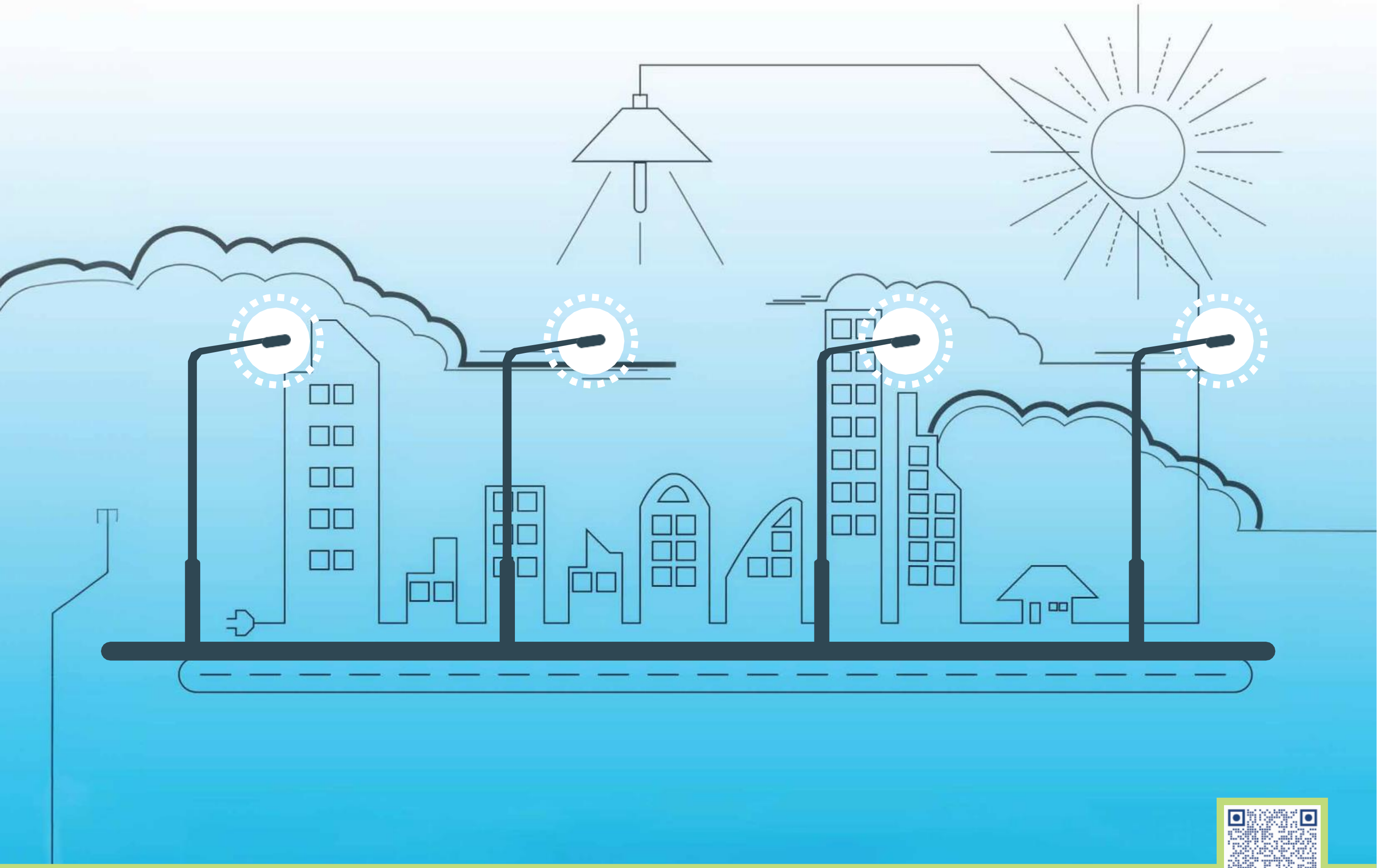

ईईएसएल का आइकॉन टावर में स्थानांतरण: प्रगति, नवाचार और स्थिरता की दिशा में एक दूरदर्शी छलांग

श्री चंद्रशेखर कुमार
सीईओ ईईएसएल के कार्यकारी सलाहकार

नोएडा की प्रतिष्ठित फिल्म सिटी के केंद्र में एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड (ईईएसएल) का नया मुख्यालय स्थापित किया गया है। यह प्रगति, नवाचार और स्थिरता का प्रतीक है। ईईएसएल का आइकॉन टॉवर में स्थानांतरण पते में बदलाव से कहीं अधिक है। यह भारत के ऊर्जा परिदृश्य को नया आकार देने के लिए ईईएसएल की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

भविष्य को ध्यान में रखकर बनाया गया मख्यालय

ईईएसएल का नया मुख्यालय एक दूरदर्शी संगठन की आकांक्षाओं को दर्शाता है। आधुनिक सुविधाओं और पर्याप्त पार्किंग के साथ, यह लंबे समय से चली आ रही परिचालन चुनौतियों का समाधान करता है और साथ ही यह कार्यक्षमता और स्थायित्व का प्रतीक बना है।

अपने हरित गतिशीलता मिशन के अनुरूप, ईईएसएल टावर के पार्किंग क्षेत्र में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) चार्जिंग पॉइंट स्थापित कर रहा है। यह पहल इलेक्ट्रिक वाहनों, बसों और व्यापक ईवी चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देने के लिए ईईएसएल के व्यापक प्रयासों के पूरक है, जो सभी एक स्वच्छ, हरित भविष्य की ओर निर्देशित हैं।

ईईएसएल की दृष्टि गतिशीलता से परे है, जिसमें कूलिंग एज़ ए सर्विस, बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (बीईएसएस), माइक्रो कोल्ड स्टोरेज और ईवी एज़ ए सर्विस जैसी अग्रणी पहल शामिल हैं। महत्वाकांक्षी राष्ट्रीय इलेक्ट्रिक पाक कला कार्यक्रम इसके फोकस को और अधिक स्पष्ट करता है,

जो कमजोर समुदायों को कुशल और सतत समाधान प्रदान करने पर केंद्रित है। आईकॉन टॉवर से, ईईएसएल ऊर्जा नवाचार में नए मानक स्थापित करते हुए, परिवर्तनकारी बदलाव को चलाने के लिए तैयार है।

उत्कृष्टता को प्रेरित करने वाला स्थान

फिल्म सिटी के जीवंत इकोसिस्टम में स्थित, आइकॉन टॉवर सिर्फ एक अत्याधुनिक कार्यस्थल से कहीं अधिक है,

यह सहयोग, रचनात्मकता और विकास का केंद्र प्रदान करता है। संपन्न कॉर्पोरेट कार्यालयों, मीडिया हाउसों और एक व्यस्त शहरी अर्थव्यवस्था के बीच इसका रणनीतिक महत्व और बढ गया है।

टावर दिल्ली मेट्रो की ब्लू लाइन के माध्यम से बेहतरीन कनेक्टिविटी उपलब्ध कराती है, जो आस-पास के नोएडा सेक्टर-16 और सेक्टर-18 स्टेशनों से कर्मचारियों के लिए सहज आवागमन सुनिश्चित करता है। यह सुविधा उत्पादकता बढ़ाती है और कर्मचारियों को फायदा पहुंचाती है।

रात होते ही, क्षेत्र एक रोशन शहरी परिदृश्य में बदल जाता है, जिसमें रोशनी से युक्त गगनचुंबी इमारतें और सेक्टर-18 के जीवंत बाजार शामिल हैं। कर्मचारी और आगंतुक दोनों ही पेशेवर व्यस्तता और सुविधा के उत्तम मिश्रण से लाभान्वित होते हैं।

कर्मचारी कल्याण को बढ़ावा

आइकॉन टॉवर को सोच-समझकर चुना गया है और आधुनिक सुविधाएं कर्मचारियों के कल्याण को प्राथमिकता देती हैं। जीवंत परिवेश और सहज कनेक्टिविटी एक प्रेरणादायक वातावरण बनाते हैं जहां रचनात्मकता फलती-फूलती है, सहयोग बढ़ता है और कर्मचारी खुद को अच्छी स्थिति में महसूस करते हैं।

पर्यावरण अनुकूल नेतृत्व के लिए एक बेंचमार्क

ईईएसएल के आइकॉन टॉवर में जाने से इसके "अधिक सक्षम बनें" का मिशन रेखांकित होता है, जो इसके संचालन में पर्यावरण अनुकूल प्रयासों को शामिल करता है। परिवर्तनकारी उजाला कार्यक्रम से लेकर इसके अग्रणी एसएलएनपी स्ट्रीटलाइटिंग समाधानों तक, ईईएसएल मुख्य रणनीतियों में पर्यावरण के अनुकूल व्यवहार के एकीकरण का उदाहरण है।

प्रमुख समाचार नेटवर्क और वैश्विक निगमों के निकटता से इसकी भूमिका और मजबूत होती है। नवाचार को बढ़ावा देती है और ऊर्जा दक्षता और स्थिरता पर इसके प्रभाव को बढ़ाने वाली साझेदारियों को सक्षम बनाती है।

निर्णय से कहीं अधिक एक उद्देश्यपूर्ण विजन

यह स्थानांतरण केवल भौतिक स्थान के बारे में नहीं है, यह ईईएसएल के स्थायित्व, दक्षता और सामुदायिक सशक्तिकरण के अपने मूल मूल्यों के प्रति अटूट समर्पण का प्रमाण है। आइकॉन टॉवर परिवर्तनकारी विचारों और अभिनव समाधानों के लिए एक लॉन्चपैड के रूप में कार्य करता है, जो एक हरित कल के लिए मंच तैयार करता है।

2010 में अपनी स्थापना से लेकर दक्षिण एशिया के प्रमुख ऊर्जा दक्षता उद्यम बनने तक, ईईएसएल का सफर एक विकास की कहानी है। आइकॉन टॉवर में नया अध्याय आज प्रभावशाली परिणाम देने के साथ-साथ भविष्य की चुनौतियों से निपटने की इसकी तत्परता की पुष्टि करता है।

आगे का रोशन रास्ता

जैसे ही आइकॉन टॉवर की रोशनी नोएडा के क्षितिज को रोशन करती है, वे ईईएसएल के सतत भविष्य की दिशा में अग्रणी भूमिका निभाने के मिशन का प्रतीक बन जाती हैं। सेवा के रूप में गतिशीलता, नवीन शीतलन समाधान और दैनिक जीवन के विद्युतीकरण में उभरते अवसरों पर ध्यान केंद्रित करते हुए, ईईएसएल न केवल स्थानांतरित हो रहा है, बल्कि यह स्थायी नेतृत्व को फिर से परिभाषित कर रहा है।

यह कदम नवाचार को अपनाने, नए क्षितिज तलाशने तथा भविष्य के लिए एक उज्जवल, हरित मार्ग तैयार करने के वादे को रेखांकित करता है।

हमारा नया पता:

एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज लिमिटेड

पहला, दूसरा, तीसरा और चौथा फ्लोर, आइकॉन टॉवर, नोएडा फिल्म सिटी, उत्तर प्रदेश, भारत

ईईएसएल के प्रमुख कार्यक्रम

त्रिपुरा ने एनईसीपी को लागू करने वाला पहला राज्य बनकर इतिहास रच दिया है, जहां 2000 इंडक्शन कुकटॉप्स आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को वितरित किए गए हैं।

ऊर्जा क्षेत्र की उल्लेखनीय गतिविधि

ईईएसएल

जी-20 शिखर सम्मेलन: प्रधानमंत्री मोदी ने वैश्विक स्थिरता पर जोर दिया, भारत की अक्षय ऊर्जा की उपलब्धि पर प्रकाश डाला

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जी20 शिखर सम्मेलन में सतत विकास और ऊर्जा रूपांतरण पर एक सत्र को संबोधित किया, जिसमें उन्होंने सतत भविष्य के निर्माण के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, "ग्लोबल साउथ के देशों और विशेष रूप से छोटे द्वीपीय विकासशील राज्यों के लिए आर्थिक विकास एक प्राथमिकता है। डिजिटल युग में और एआई के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए, संतुलित और उचित ऊर्जा मिश्रण की आवश्यकता और भी महत्वपूर्ण हो जाती है।" इसलिए ग्लोबल साउथ में ऊर्जा रूपांतरण के लिए किफायती और सुनिश्चित जलवायु वित्त और भी महत्वपूर्ण हो गया है।

कॉप29: भारत ने जलवायु वित्त पर विकसित देशों के प्रति असंतोष व्यक्त किया

अज़रबैजान में संपन्न कॉप29 जलवायु सम्मेलन में, भारत ने शमन महत्वाकांक्षा और कार्यान्वयन कार्य कार्यक्रम (एमडब्ल्यूपी) के दायरे को अतीत में सहमत हुए कार्यक्रमों से आगे बढ़ाने के विकसित देशों के आग्रह पर असंतोष व्यक्त किया। भारत ने बाकू, अजरबैजान में आयोजित कॉप29 में 'शर्म अल-शेख शमन महत्वाकांक्षा और कार्यान्वयन कार्य कार्यक्रम (एमडब्ल्यूपी)' पर सहायक निकायों के समापन सत्र में इस संबंध में एक बयान भी दिया।

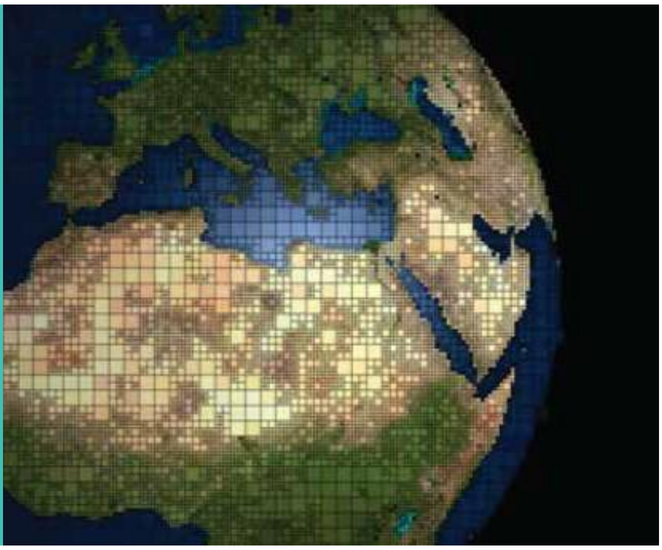

केंद्र अगले महीने एसएमई क्षेत्र में ऊर्जा दक्षता के लिए ₹1,000 करोड़ की प्रोत्साहन योजना शुरू कर सकता है

केंद्र सरकार अगले महीने छोटे और मझोले उद्योगों द्वारा ऊर्जा दक्षता उपायों को प्रोत्साहित करने के लिए एक योजना शुरू कर सकती है। इस बारे में जानकारी रखने वाले दो अधिकारियों ने यह जानकारी दी। 1,000 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ, यह योजना ऊर्जा-कुशल तकनीकों को अपनाने के लिए ऋण के लिए एमएसएमई को ब्याज सब्सिडी प्रदान करेगी। यह योजना ऊर्जा दक्षता ब्यूरो के उद्योगों और प्रतिष्ठानों में ऊर्जा कुशल प्रौद्योगिकियों की तैनाती में सहायता (एडीईटीआईई) के तहत लाई जाएगी।

ऊर्जा क्षेत्र की उल्लेखनीय गतिविधि

ईईएसएल

भारत की अक्षय ऊर्जा क्षमता 203 गीगावाट तक पहुंची, सौर ऊर्जा में 28% की वृद्धि हुई: एमएनआरई

भारत की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में 24.2 गीगावाट यानी 13.5% की वृद्धि हुई है, जो अक्टूबर 2024 में कुल 203.18 गीगावाट तक पहुंच गई थी। नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर 2023 में 178.98 गीगावाट से वृद्धि हुई है, जो भारत की स्वच्छ ऊर्जा के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा निर्धारित 'पंचामृत' लक्ष्यों के अनुरूप है। नवीकरणीय ऊर्जा में वृद्धि सौर ऊर्जा की अगुवाई में हो रही है, जिसमें 20.1 गीगावाट की वृद्धि हुई है, जो अक्टूबर 2023 में 72.02 गीगावाट से 2024 में 92.12 गीगावाट तक 27.9% की वृद्धि दर्शाती है। कार्यान्वयन और निविदा के तहत परियोजनाओं सहित संयुक्त कुल सौर क्षमता अब 250.57 गीगावाट तक पहुंच गई है, जो पिछले वर्ष 166.49 गीगावाट से अधिक है। पवन ऊर्जा का भी विस्तार हुआ, जिसमें स्थापित क्षमता 7.8% बढ़कर 44.29 गीगावाट से 47.72 गीगावाट हो गई। पवन ऊर्जा पाइपलाइन में परियोजनाएं अब कुल 72.35 गीगावाट हैं।

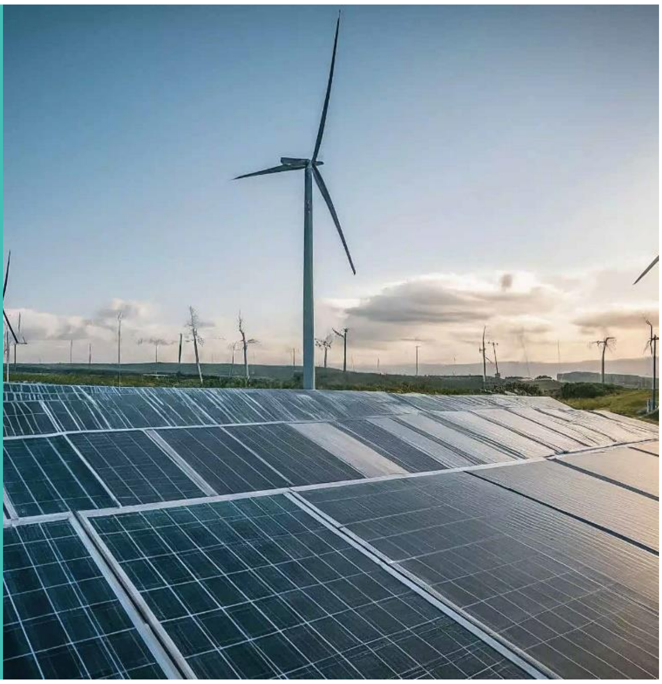

नीति आयोग ने राज्यों को हरित ऊर्जा अपनाने में मदद के लिए 'एएसएसईटी' प्लेटफॉर्म लॉन्च किया

न्यूनतम ऊर्जा परिवर्तन के लिए राज्यों का समर्थन करने के लिए नीति आयोग ने ऊर्जा मंत्रालय और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के सहयोग से एएसएसईटी (ऊर्जा बदलाव के लिए त्वरित सतत समाधान) मंच लॉन्च किया है। नीति आयोग ने एक बयान में कहा, "मंच राज्यों को ऊर्जा बदलाव के क्षेत्र में ब्लूप्रिंट बनाने में मदद करेगा और इसके कार्यान्वयन में सहायता करेगा, बैंक योग्य परियोजनाओं का पाइपलाइन तैयार करेगा, राज्यों में सर्वोत्तम प्रथाओं के साथ-साथ महत्वपूर्ण क्षेत्रों जैसे बीईएसएस, ग्रीन हाइड्रोजन, ऊर्जा दक्षता, ई-मोबिलिटी, अपतटीय पवन आदि में आने वाली तकनीकों और नवाचारों का प्रदर्शन करेगा।"

ईपीडीसीएल ने ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देने के लिए बीईई के साथ हाथ मिलाया

मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडु की केंद्र सरकार की मिशन लाइफ पहल के प्रति प्रतिबद्धता के समर्थन में, ईस्टर्न पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (ईपीडीसीएल) सतत जीवन प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न पहलों को लागू करने की योजना बना रही है। ये प्रयास पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास को बढ़ावा देंगे। विशाखापत्तनम में मुख्यालय वाले ईपीडीसीएल अपने व्यापक वितरण नेटवर्क में स्थायी जीवन प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। केंद्र सरकार की मिशन लाइफ पहल के अनुरूप, ईपीडीसीएल पर्यावरण के अनुकूल प्रयासों में समुदायों को सक्रिय रूप से शामिल करेगा।

LiFE
Lifestyle for Environment

ई ई एस एल

एनर्जी एफिशिएंसी सर्विसेज़ लिमिटेड

विद्युत मंत्रालय के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की संयुक्त उद्यम कंपनी

पता : ईईएसएल, प्रथम से चतुर्थ तल , द आइकॉन टॉवर,
एफसी-24सी, फिल्म सिटी, सेक्टर 16ए, नोएडा - 201301, उत्तर प्रदेश

वेबसाइट: **www.eeslindia.org**

संपादकीय जानकारी और विज्ञापन संबंधी पूछताछ के लिए संपर्क करें:

head-sales@eesl.co.in

स्विच करो, सेव करो